an>

Title: Regarding issuance of postal stamp on the 141th birth anniversary of Birsa Munda

श्री विष्णु दयाल राम (पलामू) : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से शून्य काल में झारखंड राज्य के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण बिन्दु को उठाना चाहता हूं। मैं झारखंड राज्य के एक विभूति के बारे में चर्चा करना चाहता हूं, जिनका नाम बिरसा मुंडा है। 15 नवम्बर, 1875 को जन्में श्री बिरसा मुंडा ने साहस की स्याही से पुरुषार्थ के पृष्ठों पर शौर्य की शब्दावली रची। उन्होंने आदिवासी समाज से सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का प्रयास किया। उन्होंने आदिवासी समाज में सामाजिक चेतना जागृत की और अंग्रेजों के खिलाफ जो लड़ाई लड़ी, वह आज भी इतिहास के पन्नों में दर्ज है। ऐसी विभूति जिन्हें न केवल झारखंड में बल्कि बंगाल, ओडिसा और सारे आदिवासी क्षेत्रों में भगवान के रूप में पूजा जाता है। मैं आपके माध्यम से सरकार से अनुरोध करता हूं कि उनकी 141वीं जयंती के अवसर पर डाक टिकट जारी किया जाये।

HON. CHAIRPERSON: Shri Chandra Prakash Joshi, Kunwar Pushpendra Singh Chandel, Shri Bhairon Prasad Mishra, Shri Sharad Tripathi and Shri Sudheer Gupta are permitted to associate with the issue raised by Shri Vishnu Dayal Ram.